बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-486
26/12/2019

जल–जीवन–हरियाली अभियान का मकसद जल को संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है– मुख्यमंत्री

पटना, 26 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज जल–जीवन–हरियाली यात्रा के क्रम में लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा स्थित प्लस टू पब्लिक उच्च विद्यालय के प्रांगण में आयोजित जन जागरूकता सम्मेलन/आमसभा में 197 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत वाली 360 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट का अनावरण कर किया। जनसभा को लेकर बने मंच पर मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर लखीसराय जिलाधिकारी श्री शोभेन्द्र कुमार चौधरी ने उनका अभिनंदन किया। स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ अंगवस्त्र एवं फूलों की बड़ी माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

जनसभा में शामिल होने से पूर्व सूर्यगढ़ा प्रखंड के रामपुर पंचायत स्थित ग्राम मानो के श्री गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत जीर्णोद्धार किये गए कुएँ का निरीक्षण करने के पश्चात समेकित बाल विकास परियोजना लखीसराय, महिला विकास निगम लखीसराय, लघु जल संसाधन विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कृषि विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के लाभार्थियों को मुहैया करायी गयी अनुदानित वाहन की चाबी जबकि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लाभार्थियों को देय लाभ प्रदान किया। श्री गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय के चहारदीवारी से सटे बड़की पोखर के जीर्णोद्धार, सघन वृक्षारोपण एवं ड्रीप इरिगेशन के तहत हो रही खेती का भी मुख्यमंत्री ने मुआयना किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सबसे पहले कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का हृदय से अभिनंदन करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहाकि यहां के जनप्रतिनिधियों ने जिन मांगों की चर्चा की है, उसके लिए चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। 30 बेड का कम्युनिटी हेल्थ सेंटर बनकर यहां तैयार हो गया है। उसमें जल्द ही डॉक्टर्स की बहाली कर उसे शुरू कर दिया जायेगा ताकि इलाज की जरूरत पड़ने पर लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पथ निर्माण संबंधी या अन्य जो भी आपकी मांगें हैं, उस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे दिया गया है। इसके लिए आपको चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने प्रारंभ से ही न्याय के साथ विकास का काम करते हुए हर वर्ग का उत्थान और हर इलाके का विकास किया है। 17 नवंबर को दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति श्री बिल गेट्स बिहार आये थे जिनसे लंबी बातचीत हुई। जल–जीवन–हरियाली अभियान के विषय में जानकर वे इतने प्रभावित हुये कि अपने साक्षात्कार में उन्होंने इस अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका जैसे देशों में ही सिर्फ जलवायु परिवर्तन पर चर्चा नहीं हो रही है बल्कि इस मसले पर बिहार के पटना में भी चिंता और चर्चा हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय योजना के तहत अक्टूबर 2018 में हर घर तक बिजली पहुंचाने के बाद अब हर इच्छुक किसानों को बिजली मुहैया कराने की दिशा में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। डीजल पम्प से सिंचाई में अब तक जहां 100 रुपये की लागत

आती थी बिजली से पटवन करने में मात्र 5 रुपये का खर्च लगेगा। सभी पुराने जर्जर तार 31 दिसम्बर तक बदल दिए जाएंगे और चुनाव में जाने से पूर्व हर घर तक नल का जल पहुंचा दिया जाएगा। बिहार का प्रजनन दर 4.2 से घटकर 3.2 पर आ गया है। देखा गया है कि महिलाओं के शिक्षित होने से प्रजनन दर में कमी आयी है, इसलिये इसमें और अधिक कमी लाने के लिए हर पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने का फैसला लिया गया है। अगले वर्ष के अप्रैल माह तक सभी पंचायतों में 9वीं क्लास की पढ़ाई शुरू करा दी जाएगी। पोशाक योजना और साईकिल योजना से न सिर्फ लड़कियों का मनोबल ऊंचा हुआ है बल्कि इससे सामाजिक वातावरण और लोगों की सोच में भी परिवर्तन आया है। साईकिल योजना शुरू होने से 9वीं क्लास में पढ़नेवाली लड़कियों की संख्या 1 लाख 70 हजार से बढ़कर 9 लाख हो गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 में बिहार के सभी 534 प्रखंडों में से 280 प्रखण्डों को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा। जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण में आए बदलाव को देखते हुए हमने इस वर्ष 13 जुलाई को विधानमंडल सदस्यों की एक संयुक्त बैठक बुलाई जिसमें पूरे बिहार में जल–जीवन–हरियाली–अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अभियान में जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम को भी जोड़ा गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत 11 सूत्री कार्यक्रम को मिशन मोड में पूरा करना है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न संकट से लोगों को निजात दिलाया जा सके। इसके लिए सोखता निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वृहत पैमाने पर वृक्षारोपण, अहर–पाइन, तालाब, सार्वजनिक कुंओं, नलकूपों का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही उसे अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। इस अभियान का मकसद जल को संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार में 15 जून से ही मानसून की शुरुआत हो जाती थी और औसतन 1200 से 1500 मिलीमीटर वर्षापात हुआ करता था लेकिन पिछले तीस साल के वर्षापात का अगर रिकॉर्ड देखें तो औसतन 1500 मिलीमीटर से घटकर वर्षापात 1027 मि0मी0 पर पहुँच गया है। वहीं पिछले 13 वर्षों के वर्षापात के आंकड़ो को देखते हैं तो पाते हैं कि बिहार में औसतन वर्षापात घटकर 901 मिलीमीटर पर पहुँच गया है। हमने जाकर देखा कि इस वर्ष भूजल स्तर दक्षिण बिहार के साथ–साथ उतर बिहार के दरभंगा में भी काफी नीचे चला गया था। इसका मतलब यह है कि कुदरत हम सबको सचेत होने का संकेत दे रही है। दुनिया के कई देशों में भूजल स्तर समाप्त हो गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान से बिहार अपने पुराने भूजल स्तर को कायम करेगा और पर्यावरण अनुकूल रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में बिहार में कई कदम उठाए गए हैं। प्राथमिक शिक्षक नियोजन, पंचायती राज और नगर निकाय के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण देने के बाद राज्य सरकार की सभी सेवाओं में उन्हें 35 प्रतिशत का आरक्षण मुहैया कराया गया। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से महिलाओं की स्थिति बेहतर हुई है, इसलिए इसके प्रति सचेत रहते हुए निरंतर अभियान चलाने के साथ ही चंद जो गड़बड़ करनेवाले लोग हैं उन्हें समझाने की जरूरत है। शराबबंदी पूरी तरह से प्रभावी रहे इसके लिए 74 स्पेशल कोर्ट भी बनने जा रहा है। शराबबंदी के पूर्व तक शराब और ताड़ी के रोजगार से जुड़े रहनेवाले गरीब तबके के परिवारों को सतत जीविकोपार्जन योजना के माध्यम से वैकल्पिक रोजगार हेतु 60 हजार रूपये से 1 लाख रुपये तक की मदद दी जा रही है। इस योजना से अब तक हजारों परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ हम लगातार अभियान चला रहे हैं। बाल विवाह के कारण कई तरह की समस्यायें पैदा हो रही हैं। बाल विवाह के कारण अधिकांश महिलायें मौत की शिकार हो रही हैं और इनसे पैदा होनेवाले बच्चे कई प्रकार की बीमारियों से भी ग्रसित होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतो में फसल अवशेष जलाने की परंपरा पंजाब और हरियाणा में शुरू हुई जो धीरे–धीरे बिहार के अन्य इलाकों में भी पहुंच गयी है, यह बहुत ही खतरनाक

है। खेतों में फसल अवशेष जलाए जाने की परम्परा पर पाबंदी लगाने के लिये लोगों को प्रेरित करने के साथ–साथ हमलोग किसानों की मदद भी करेंगे। उन्होंने कहा कि फसल कटाई के वक्त खेतों में फसलों का अवशेष नहीं रहे इसके लिए सरकार कृषि यंत्रों पर 75 से 80 प्रतिशत का अनुदान मुहैया करा रही है। फसल अवशेष प्रबंधन को भी जल–जीवन–हरियाली अभियान से जोड़ा गया है, इससे जलवायु को बेहतर करने की कोशिश की जायेगी। मौसम के अनुकूल फसल चक्र में बदलाव लाने एवं लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रयोग के तौर पर कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से अनुसंधान का काम शुरू करवाया गया है जिसे बाद में पूरे बिहार में लागू किया जाएगा ताकि किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद बिहार में हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत ही रह गया था। वर्ष 2012 से हरियाली मिशन के तहत पूरे बिहार में 19 करोड़ पौधे लगाये गये जिसके बाद बिहार का ग्रीन कवर एरिया बढ़कर 15 प्रतिशत पर पहुंच गया है। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत 8 करोड़ पौधे और लगवाये जायेंगे। देश के 1 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में जितनी आबादी है, उससे तीन गुना अधिक आबादी बिहार में निवास करती है। कुछ देशों को छोड़ दिया जाय तो दुनिया मे आबादी का घनत्व बिहार में सर्वाधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शौचालय निर्माण का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोगों को खुले में शौच से मुक्ति और पीने का अगर स्वच्छ पानी मिल जाये तो 90 प्रतिशत बीमारियों से उन्हें छुटकारा मिल जाएगा। मेरा काम है आपकी सेवा करने के साथ ही आपको जागृत करना। केंद्र ने बिहार की योजना जीविका को आजीविका के रूप में जबकि हर घर नल का जल और हर घर बिजली योजना को पूरे देश में लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा ही अक्षय ऊर्जा है जो हमें पृथ्वी के अस्तित्व बरकरार रहने तक सदैव मिलता रहेगा इसलिए सबसे पहले सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाने के बाद लोगों को अपने–अपने घरों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए हमलोग प्रेरित करेंगे।

जनसभा में उपस्थित लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से बचने एवं पर्यावरण को ठीक रखने के लिए हम सबको मिलकर काम करना चाहिये। सात निश्चय के अलावा अन्य योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण सहित सभी क्षेत्रों में विकास का काम किया जा रहा है। 21 जनवरी 2017 को शराबबंदी के पक्ष में बनी मानव श्रृंखला में 4 करोड़ लोगों ने जबकि 21 जनवरी 2018 को बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ 14 हजार किलोमीटर में बनी मानव श्रृंखला अपने आप मे एक रिकॉर्ड है। अब एक बार फिर जनजागृति, लोकमत और अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करने के लिए 19 जनवरी 2020 को दिन के साढ़े 11 बजे आधे घंटे के लिए दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ जबकि शराबबंदी और जल–जीवन–हरियाली अभियान के पक्ष में समर्पण जाहिर करने के लिए मानव श्रृंखला का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है। आप सबों की भागीदारी से इस बार बनने वाली मानव श्रृंखला पूर्व में बनी सभी मानव श्रृंखला के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देगा।

मुख्यमंत्री की अपील पर जनसभा में मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर मानव श्रृंखला में शामिल होने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जल महत्वपूर्ण है यह लोगों को समझाना होगा, क्योंकि जल और हरियाली के बीच ही जीवन है। इस अभियान का मकसद है जलवायु परिवर्तन में सुधार, पर्यावरण संकट से छुटकारा एवं सामाजिक जागृति लाना। मनुष्य को यदि अपना और पशु–पक्षियों का जीवन बचाना है तो जल के साथ–साथ हरियाली को बचाने के लिए भी सचेत और जागरूक होना पड़ेगा। जनसभा में मौजूद लोगों से मुख्यमंत्री ने आपस में प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव का माहौल कायम रखते हुए पृथ्वी के संरक्षण और जीवन की रक्षा के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

जनसभा को सूचना एवं जन–संपर्क मंत्री एवं लखीसराय जिले के प्रभारी मंत्री श्री नीरज कुमार, श्रम संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री श्री संजय झा, सांसद श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, विधायक श्री प्रह्लाद यादव, विधान पार्षद श्री संजय प्रसाद, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय एवं लखीसराय जिलाधिकारी श्री शोभेन्द्र कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री प्रेम रंजन पटेल, जिला परिषद अध्यक्ष लखीसराय श्री रामाशंकर शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष लखीसराय श्री अरविंद पासवान, जदयू जिलाध्यक्ष श्री रामानंद मंडल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री देवानंद शाह, लोजपा जिलाध्यक्ष श्री धुरी पासवान, पथ निर्माण/पंचायती राज/लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री अमृतलाल मीणा, पशु मत्स्य संसाधन एवं लखीसराय जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती एन0 विजया लक्ष्मी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुंगेर रेंज के डी0आई0जी0 श्री मनु महाराज, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मनरेगा आयुक्त श्री सी0पी0 खंडूरिया, पुलिस अधीक्षक श्री सुशील कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

******